

आदम और हव्वा स्वार्थी बन गए

उत्पत्ति अध्याय 2-3

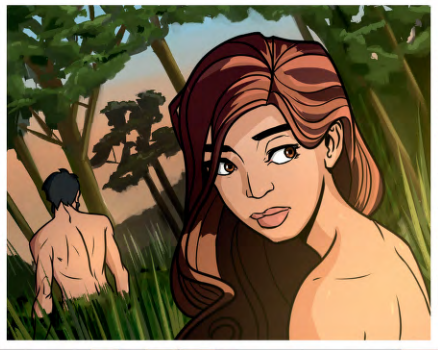
यहोवा ने पहले इंसान **आदम** को मिट्टी से बनाया। उसने आदम और उसकी पत्नी **हव्वा** को एक खूबसूरत बगीचे में रखा जो **अदन** नाम के इलाके में था।

उसने उनके लिए हर किस्म के खूबसूरत **पेड़** लगाए और उन्हें **खाने** को अच्छी-अच्छी चीज़ें दीं।

उसने उन्हें **जानवरों** की देखभाल करने का काम दिया और उन्हें अपना दोस्त बनने और फिरदौस में **हमेशा-हमेशा तक जीने** का शानदार मौका दिया। लेकिन यहोवा ने उन्हें एक **आज्ञा** भी दी . . .



यहोवा ने कहा है कि हमें उस पेड़ का फल नहीं खाना है। अगर हम उसे खाएँगे तो मर जाएँगे।



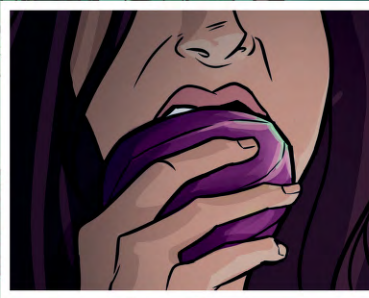
शैतान इबलीस ने एक साँप के ज़रिए हव्वा से बात की और उससे झूठ बोला।



तुम नहीं मरोगे।

शैतान चाहता था कि हव्वा सिर्फ अपने बारे में सोचे न कि यहोवा के बारे में।

अगर तुम इसका फल खाओगे तो परमेश्वर की तरह बन जाओगे।



आदम, मैंने यह फल खाया है। तुम भी खाओ।



आदम और हव्वा ने अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए परमेश्वर की आज्ञा तोड़ दी। यह देखकर यहोवा को बहुत दुख हुआ।

यह तुमने क्या किया?
अब तुम मर जाओगे और
मिट्टी में मिल जाओगे।



यहोवा ने आदम और हव्वा को अदन के बगीचे से बाहर निकाल दिया और वहाँ पहरा देने के लिए करुबों को खड़ा कर दिया।

आदम और हव्वा स्वार्थी बन गए थे। इस वजह से उन्होंने फिरदौस, हमेशा की ज़िंदगी और परमेश्वर के साथ अपनी दोस्ती खो दी।

हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

यहोवा ने आदम और हव्वा को कौन-कौन-से तोहफे दिए थे?

सुराग: उत्पत्ति 1:28; 2:7-9, 19, 22.

आदम और हव्वा स्वार्थी बन गए थे, इसका क्या नतीजा हुआ?

सुराग: उत्पत्ति 3:16-19;

रोमियों 5:12.

आप कैसे दिखा सकते हैं कि आप बिना किसी स्वार्थ के प्यार करते हैं?

सुराग: फिलिप्पियों 2:4; 1 यूहन्ना 5:3.

